Seventeenth Loksabha

an>

Title: Re. Establishment of Vipassana Centre in Kapilvastu of Siddharthanagar, Uttar Pradesh.

श्री जगदम्बिका पाल (**डुमरियागंज**): अधिष्ठाता महोदया, मैं आपका अत्यंत ही आभारी हूँ । मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान बुद्धिस्ट सर्किट की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ । जिस बुद्धिस्ट सर्किट के कारण आज न केवल भारत के बौद्ध धर्म को मानने वाले लोग आते हैं, बल्कि विदेशों में रहने वाले बौद्ध धर्म के लोग, चाहे वह थाईलैंड हो, सिंगापुर हो, इंडोनेशिया हो, मलेशिया हो, कोरिया हो, जापान हो, चाइना हो, वहाँ से लाखों की संख्या में हर साल आते हैं ।

महोदया, मैं आपका ध्यान बुद्धिस्ट सर्किट के कपिलवस्तु की ओर दिलाना चाहता हूँ, जहाँ गौतम बुद्ध पैदा हुए । सौभाग्य से सिद्धार्थ नगर मेरा लोक सभा क्षेत्र भी है । उसकी ओर भी आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ । गौतम बुद्ध को आपके राज्य के बोधगया में बोधिसत्व का ज्ञान प्राप्त हुआ । उनके बाल्यकाल में राजा शुद्धोधन की राजधानी कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर थी । आज बोधगया के बारे में आप जानती हैं कि वहाँ लाखों पर्यटक आते हैं, सारनाथ आते हैं, कुशीनगर आते हैं, गौतम बुद्ध के जन्म स्थान कपिलवस्तु में आते हैं और श्रावस्ती आते हैं । लेकिन, हमारे इस कपिलवस्तु सिद्धार्थ नगर में, तथागत गौतम बुद्ध की धरती पर कोई विपश्यना केन्द्र नहीं है । वह एक आकांक्षा जनपद भी है । मैं प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद दूँगा कि सिद्धार्थ नगर के विकास के लिए नीति आयोग के माध्यम से ध्यान आकृष्ट किया गया । उन 112 जनपदों में आज विकास की दृष्टि से काम चल रहा है ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि वहाँ लाखों लोग आते हैं । जब वे गौतम बुद्ध के जन्म स्थान पर आते हैं तो एक विपश्यना केन्द्र न होने के कारण उनको असुविधा होती है । वहाँ बौद्ध धर्म के मानने वाले काफी लोग आते हैं । गौतम बुद्ध ने करूणा, ममता, शांति और अहिंसा का संदेश पूरी दुनिया को दिया है ।

माननीय सभापति: अब आप अपनी माँग रखिए ।

श्री जगदम्बिका पाल: महोदया, मैं तुरंत ही कंक्लूड कर रहा हूँ । मैं विषय से कहीं अलग नहीं जा रहा हूँ ।

महोदया, उन्होंने करूणा, ममता, शांति और अहिंसा का पूरी दुनिया में संदेश दिया । आज रूस और यूक्रेन की लड़ाई हो रही है । उस काल में, 6 ईसा पूर्व में उन्होंने कहा कि दुनिया का रास्ता हिंसा का नहीं, बल्कि केवल अहिंसा का है । गौतम बुद्ध ने अहिंसा का संदेश दिया । प्रधानमंत्री दुनिया के मंचों पर कहते हैं कि दुनिया ने युद्ध दिया, लेकिन भारत ने गौतम बुद्ध को दिया । गौतम बुद्ध के जन्म स्थान पर विपश्यना केन्द्र बनना चाहिए । यहाँ से आप एक निर्देश कर दें, जैसे आपने पिंटू जी को संरक्षण दिया था, वैसे ही हमको भी संरक्षण दे दें, ताकि वहाँ एक विपश्यना केन्द्र का निर्माण हो जाए ।

राज्य सरकार ने बहुत प्रयास करके भारत के पर्यटन मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा है । जब आपकी भी कृपा हो जाएगी तो सरकार वहाँ पर विपश्यना केन्द्र की स्थापना कर देगी, जहाँ लाखों लोग आएंगे ।